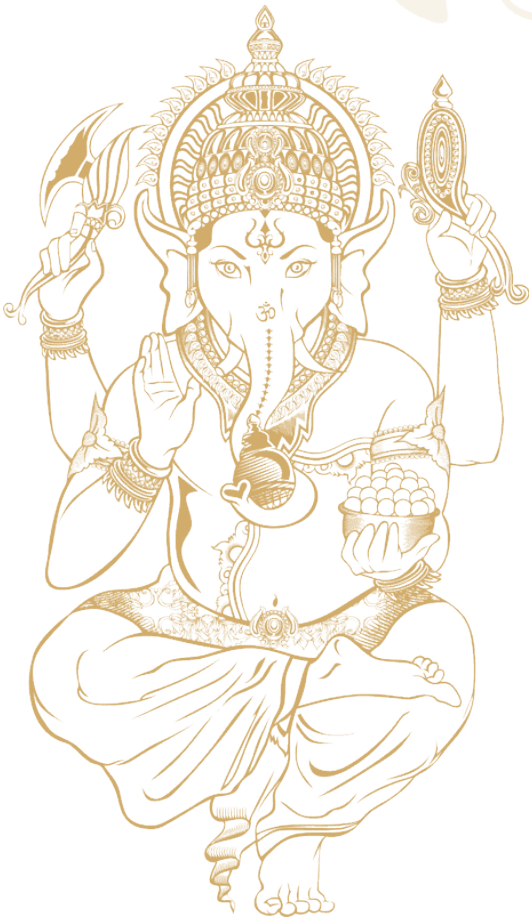

Gutanshu Rohan

Model: Love-Horoscope

Order No: 119240701

Model: Love-Horoscope

Order No: 119240701 Date: 26/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/08/1994	जन्म तिथि	03/08/1994
शनि-रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:59:00	जन्म समय	07:40:00 घंटे
घटी 50:15:34	जन्म समय(घटी)	04:51:27 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:46	सूर्योदय	05:43:25
18:54:51	सूर्यास्त	19:10:44
23:47:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:08
मिथुन	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मकर	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
धनिष्ठा	नक्षत्र	मृगशिरा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	1
शोभन	योग	व्याघात
बव	करण	बालव
गी-गीत	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	सर्प
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 3मा 3दि		12:38:54	मिथु	लग्न	सिंह	10:55:12	मंगल 5वर्ष 8मा 7दि	
गुरु		03:47:48	सिंह	सूर्य	कर्क	16:44:50	गुरु	
23/11/2016		28:33:16	मक	चंद्र	वृष	25:49:56	11/04/2018	
23/11/2032		08:51:17	मिथु	मंगल	वृष	27:06:07	11/04/2034	
गुरु	11/01/2019	11:35:49	सिंह	बुध	कर्क	05:52:59	गुरु	29/05/2020
शनि	24/07/2021	14:26:17	तुला	गुरु	तुला	12:27:55	शनि	10/12/2022
बुध	30/10/2023	19:45:43	कन्या	शुक्र	कन्या	01:24:54	बुध	17/03/2025
केतु	05/10/2024	16:06:59	कुंभ व	शनि व	कुंभ	17:18:53	केतु	21/02/2026
शुक्र	06/06/2027	24:40:08	तुला व	राहु व	तुला	26:42:49	शुक्र	22/10/2028
सूर्य	24/03/2028	24:40:08	मेष व	केतु व	मेष	26:42:49	सूर्य	10/08/2029
चन्द्र	24/07/2029	29:17:44	धनु व	हर्ष व	धनु	29:54:39	चन्द्र	10/12/2030
मंगल	30/06/2030	27:15:18	धनु व	नेप व	धनु	27:39:51	मंगल	16/11/2031
राहु	23/11/2032	01:33:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	01:29:39	राहु	11/04/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:10 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:08

लग्न-चलित

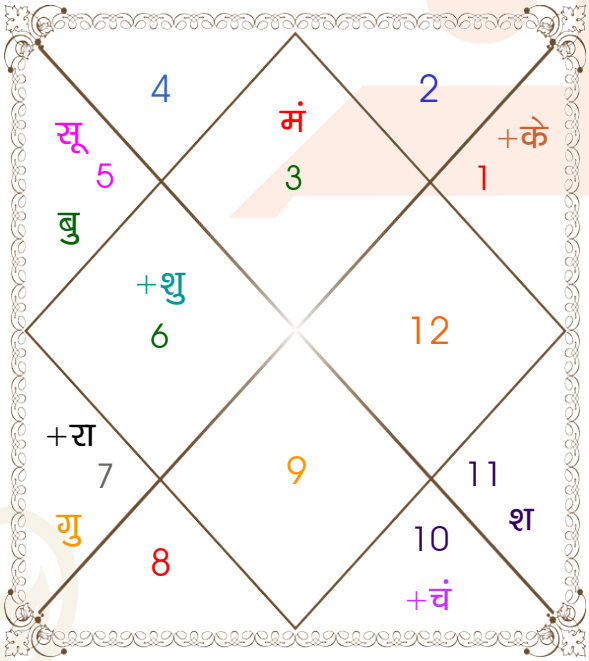

लग्न-चलित

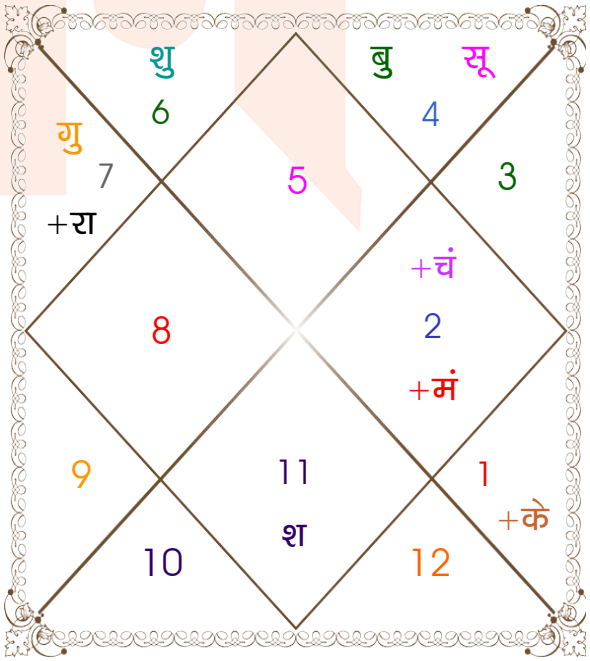

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

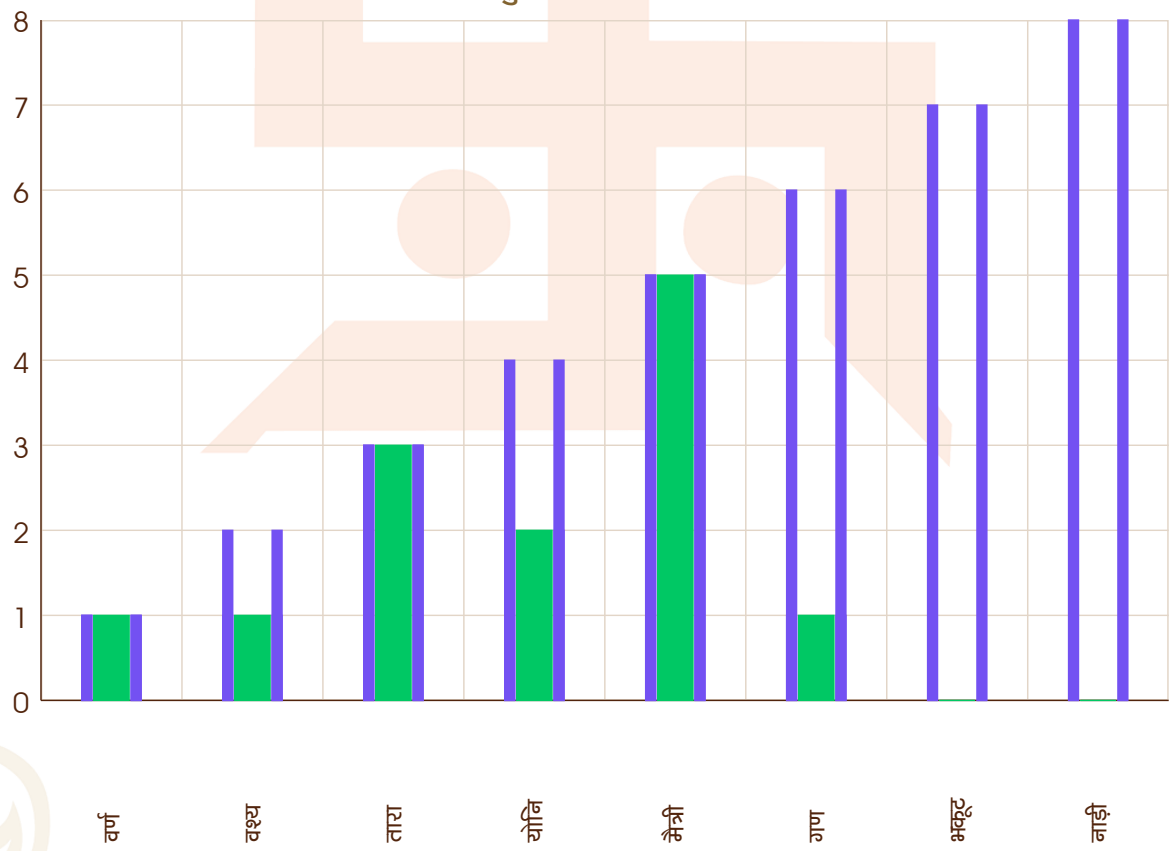

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Rohan का नक्षत्र मृगशिरा है।

Gutanshu का वर्ग मार्जार है तथा Rohan का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gutanshu और Rohan का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Gutanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Rohan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rohan कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gutanshu तथा Rohan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Gutanshu का वर्ण वैश्य है तथा Rohan का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Gutanshu और Rohan दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Gutanshu और Rohan दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Gutanshu का वश्य जलचर है एवं Rohan का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Gutanshu की तारा जन्म तथा Rohan की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Gutanshu की योनि सिंह है तथा Rohan की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन

परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Gutanshu एवं Rohan दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Gutanshu एवं Rohan के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Gutanshu एवं Rohan जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Gutanshu का गण राक्षस तथा Rohan का गण देव है। अर्थात Rohan का गण Gutanshu के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Gutanshu निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Gutanshu का Rohan के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Rohan हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Gutanshu से Rohan की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Rohan से Gutanshu की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Rohan को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Gutanshu की नाड़ी मध्य है तथा Rohan की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी

समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Gutanshu एवं Rohan का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Gutanshu की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा Rohan की राशि भी पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अतः समान तत्व होने के कारण Gutanshu और Rohan के मध्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

Gutanshu की राशि का स्वामी शनि तथा Rohan की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Gutanshu और Rohan एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे । इससे आपसी संबंधों में सुदृढ़ता के भाव की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख शान्ति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा ।

Gutanshu और Rohan की राशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह की अपेक्षा विरोध तथा वैमनस्य रहेगा। साथ ही अंहकार के कारण एक दूसरे से अपने को श्रेष्ठ समझते हुए उपेक्षा करेंगे। इस प्रवृति से संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा अन्यत्र वैवाहिक जीवन में कष्ट तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः यदि Gutanshu और Rohan बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो अशुभ प्रभावों में कमी आ सकती है।

Gutanshu का वश्य जलचर तथा Rohan का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक मित्रता के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होती रहेगी।

Gutanshu एवं Rohan का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की रूचि धनार्जन संबधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही कार्य क्षमताएं समान होने के कारण स्थिति शुभ एवं अनुकूल रहेगी।

धन

Gutanshu और Rohan का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Gutanshu और Rohan सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Gutanshu को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Gutanshu और Rohan दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Gutanshu और Rohan दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Rohan के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Gutanshu और Rohan का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Gutanshu और Rohan को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Gutanshu और Rohan के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Rohan का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Rohan के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Rohan सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Gutanshu और Rohan को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Gutanshu और Rohan का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Rohan के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की

समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Rohan सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Rohan किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Rohan को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Rohan के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

Gutanshu की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। Gutanshu सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही Gutanshu का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी Gutanshu के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। Gutanshu भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Gutanshu के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

Gutanshu

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नही लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते है। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृति के प्रति सतर्क नही रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते है।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रूचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध है तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी है। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नही करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नही रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्जवलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नही होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ्य रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।

Rohan

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल

धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरुचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Gutanshu

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Rohan

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह है। बृहस्पति या गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगी तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगी। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी। मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित महिला होंगी तथा किसी भी विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगी और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देती रहेंगी।

दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगी। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी

रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगी। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगी। स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगी। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगी एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगी। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करना पड़ेगा।

Gutanshu

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Rohan

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।